under the provision of the Insecticides Act, 1968, like acephate, chlorpyriphos, endosulfan monocrotophos, phentheate, phosalone, phosphamidon for the control of American Bollworm on cotton crop. They were also advised to drain out the excess rain water from their fields to mitigate the affect of water logging. There is no proposal under consideration of the Central Govt, to give compensation to farmers for loss of the cotton crop.

Loss of Paddy Crop in Eastern Uttar Pradesh

313. SHRIMATI MALTI SHARMA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are planning to conduct a survey of the paddy crop which suffered heavy loss due to a dangerous disease in Eastern Uttar Pradesh, particularly in Ballia and Mau districts;

(b) whether it is also a fact that a large number of farmers have been forced to burn their paddy crop due to this disease;

(c) if so, the steps taken or likely to be taken prevent this disease and compensate farmers; and

(d) if not, the reasons therefor, with details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) to (d) Regular survey of paddy and other crops is carried out by the Central and State Governments to monitor the pest and disease situation. No specific report has been received about any dangerous disease in Eastern Uttar Pradesh so far. However, a study would be conducted particularly in Bhallia and Mau districts to assess the disease, its impact and remedial measures required at an early date.

अनुपजाऊ भूमि की स्थिति

314. **चौधरी हरमोहन सिंह यादव**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में बहुत बड़ा भू-भाग अनुपजाऊ है जिसके परिणाम स्वरुप उस भूमि से कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है;

(ख) क्या सरकार ने इस प्रकार की भूमि का समचित उपयोग करने के लिए कोई रणनीति बनाई है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. एस. वेणुगोपालाचारी): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) कृषि और सहकारिता विभाग ने देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों में निम्नीकृत भूमि का उत्पादकता को बेहतर बनाने हेतु इसके उपचार के लिए नदी घाटी परियोजनाओं तथा बाढ़ प्रवण निदयों के जल स्त्रवण क्षेत्रों में मृदा संरक्षण, क्षारीय मृदा का सुधार नामक योजनाएं तथा झूम खेती वाले क्षेत्रों में जल विकास परियोजना नामक विभिन्न केन्द्र द्वारा प्रयोजित योजनाएं शुरु की हैं। गहरी व तंग घाटी क्षेत्रों का सुधार और प्रबंध संबंधी कार्यक्रम भी इस विभाग में शुरु किया गया ता परन्तु राज्य क्षेत्र को स्थानान्तरित कर दिया गया। यूरोपीय आर्थिक समुदाय की सहायता से क्षारीय मृदा के सुधार तथा विकास पर एक अन्य योजना कार्यन्वित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, बंजड़ भूमि विभाग, समेकित बंजड़ भूमि विकास की योजना कार्यान्वित करता है। 1996-97 तक 1362.11 करोड़ रुपए के व्यय से 54.06 लाख हैक्टेयर क्षेत्र का उपचार किया जा चुका है।

गोदुग्ध उत्पादन में कमी आना

315. **श्री नागमणि**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में गोदुग्ध उत्पादन में हर वर्ष कमी आती जा रही है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) इस संबंध में सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. एस. वेणुगोपालाचारी): (क) जी, नहीं। गाय के दुध का